भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3784

11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन

3784. श्री राहुल सिंह लोधीः

श्रीमती डी. के. अरुणाः

श्री अनुराग शर्माः

श्री अमरसिंग टिस् सोः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन' (एनबीएचएम) का कार्यान्वयन कर रही है और यदि हां, तो इसकी मुख्य विशेषताएं और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान उक्त मिशन के अंतर्गत देश में, विशेषकर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के असम तथा तेलंगाना में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए स्वीकृत परियोजनाओं और आवंटित निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा शहद उत्पादन बढ़ाने, वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने, परागण सेवाओं को सुदृढ करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार करने और मधुमक्खी पालन गतिविधियों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का विचार है;

(घ) उक्त मिशन के अंतर्गत मधुक्रांति पोर्टल पर पंजीकृत मधुमक्खी कॉलोनियों और मधुमक्खी पालकों की तेलंगाना सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ङ) राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन की शुरुआत से लेकर अब तक इसके अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी है तथा आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(च) शहद उत्पादन, रोजगार सृजन और निर्यात संवर्धन के संदर्भ में उक्त मिशन के क्या परिणाम रहे हैं; और

(छ) क्या असम के कारबी आंगलोंग और डिमा हसाओ जिलों को उक्त मिशन के अंतर्गत शामिल किया गया है और यदि हां, तो स्वीकृत परियोजनाओं, शामिल किए गए लाभार्थियों और उसमें प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) जी हाँ। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) को राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) के माध्यम से एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में कार्यान्वित कर रहा है। एनबीएचएम का उद्देश्य मधुमक्खी पालन उद्योग के समग्र विकास के लिए वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना, शहद और मधुमक्खी उत्पादों के उत्पादन

में वृद्धि करना, आय और रोजगार सृजन करना, कृषि एवं गैर-कृषि परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान करना, मधुमक्खी पालन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण करना, सामूहिक दृष्टिकोण के माध्यम से संस्थागत ढांचा विकसित करके मधुमक्खी पालकों को सशक्त बनाना और कृषि/बागवानी उत्पादन को बढ़ाना है। इस योजना के अंतर्गत पात्र कार्यान्वयन एजेंसियों (आईए) को विभिन्न गतिविधियों के लिए परियोजना आधारित सहायता प्रदान की जाती है। इनमें एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र, शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं, मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशालाएं, गुणवत्तापूर्ण न्यूक्लियस स्टॉक विकास केंद्र की स्थापना, क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, मधुमक्खी पालन आदि के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण करना शामिल हैं। एनबीएचएम विपणन, ब्रांडिंग, मूल्यवर्धन और अनुसंधान एवं विकास में भी सहयोग प्रदान करता है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान मिशन के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र असम सहित राज्यवार और तेलंगाना के लिए स्वीकृत परियोजनाओं और स्वीकृत निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

	राज्य	परियोजनाओं की संख्या	धनराशि (रुपये लाख में)
1	अरुणाचल प्रदेश	8	952.29
2	असम	14	1507.12
3	मणिपुर	6	574.53
4	मेघालय	4	236.71
5	मिजोरम	5	371.42
6	नागालैंड	13	507.19
7	सिक्किम	8	513.70
8	त्रिपुरा	2	285.85
9	तेलंगाना	16	889.467

(ग) राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) के प्रावधानों के अनुसार, परियोजना आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से शहद उत्पादन बढ़ाने, वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए एनबीएचएम राज्य सरकारों, कार्यान्वयन एजेंसियों और स्टेकहॉल्डर्स के प्रयासों में सहायता करता है। अब तक 7 विश्व स्तरीय शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं, मिलावट की जांच के लिए 66 लघु प्रयोगशालाएं, 83 शहद

प्रसंस्करण इकाइयां और 90 संग्रह, ब्रांडिंग और पैकेजिंग इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं। ये कुशल भंडारण और विपणन में सहायता करती हैं। गुणवत्तापूर्ण रानी मधुमक्खियों के उत्पादन और मधुमक्खी कॉलोनियों के बहुलीकरण के लिए अब तक 81 गुणवत्तापूर्ण न्यूक्लियस स्टॉक विकास केंद्रों को सहायता प्रदान की गई है।

(घ) मधुक्रांति पोर्टल पर 16,788 मधुमक्खी पालकों द्वारा 24,94,101 मधुमक्खी कॉलोनियों को पंजीकृत किया गया है। इनमें तेलंगाना के 65 मधुमक्खी पालकों द्वारा पंजीकृत 8,275 मधुमक्खी कॉलोनियां शामिल हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ड.) एनबीएचएम के तहत, राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र-वार स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या, स्वीकृत और उपयोग की गई धनराशि का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(च) एनबीएचएम ने बड़े पैमाने पर असंगठित मधुमक्खी पालन क्षेत्र को प्रौद्योगिकी-आधारित, बाजार-उन्मुख उद्योग में बदल दिया है, जिससे छोटे और सीमांत किसानों/मधुमक्खी पालकों की आय में वृद्धि हुई है। शहद का उत्पादन वर्ष 2014-15 में 80,530 मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 1,51,690 मीट्रिक टन (बागवानी फसल सांख्यिकी, द्वितीय अग्रिम अनुमान वर्ष 2025-26 के अनुसार) हो गया है। इसी अवधि में, शहद का निर्यात वर्ष 2014-15 में 29,600 मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 114,570.19 मीट्रिक टन हो गया, जिससे भारत प्राकृतिक शहद का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया।

(छ) असम राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में किसी भी परियोजना को मंजूरी नहीं दी गई है।

अनुबंध- I

लोकसभा में दिनांक 11.08.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 3784 के भाग (घ) का अनुबंध

मधु क्रांति पोर्टल पर पंजीकृत मधुमक्खी कॉलोनियों और मधुमक्खी पालकों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति

	राज्य	पंजीकृत संस्थाएँ	मधुमक्खी कॉलोनियां
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	**7**	**179**
2	आंध्र प्रदेश	**72**	**9523**
3	अरुणाचल प्रदेश	**84**	**7925**
4	असम	**517**	**18869**
5	बिहार	**839**	**176753**
6	चंडीगढ़	**1**	**10**
7	छतीसगढ़	**36**	**4376**
8	दिल्ली	**78**	**11310**
9	गोवा	**4**	**130**
10	गुजरात	**132**	**19769**
11	हरियाणा	**3057**	**500574**
12	हिमाचल प्रदेश	**502**	**79098**
13	जम्मू-कश्मीर	**2097**	**217268**
14	झारखंड	**70**	**10483**
15	कर्नाटक	**737**	**17773**
16	केरल	**129**	**29983**
17	मध्य प्रदेश	**349**	**63163**
18	महाराष्ट्र	**125**	**16398**
19	मणिपुर	**509**	**15568**
20	मेघालय	**7**	**772**
21	मिजोरम	**14**	**546**
22	नागालैंड	**297**	**6910**
23	ओडिशा	**41**	**2655**
24	पुदुचेरी	**3**	**750**
25	पंजाब	**1328**	**308501**
26	राजस्थान	**1177**	**249501**
27	सिक्किम	**24**	**728**
28	तमिलनाडु	**157**	**26223**
29	तेलंगाना	**65**	**8275**
30	त्रिपुरा	**17**	**695**
31	उत्तर प्रदेश	**2996**	**512370**
32	उत्तराखंड	**524**	**89346**
33	पश्चिम बंगाल	**793**	**87677**
	कुल	**16788**	**2494101**

अनुबंध- II

लोकसभा में दिनांक 11.08.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 3784 के भाग (ड.) का अनुबंध।

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन के अंतर्गत स्थापित परियोजनाओं की कुल संख्या, स्वीकृत और उपयोग की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृत परियोजना	स्वीकृत धनराशि (रुपये लाख में)	उपयोग की गई धनराशि (रुपये लाख में)
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	3	86.31	85.06
2	आंध्र प्रदेश	9	226.90	221.81
3	अरुणाचल प्रदेश	13	1268.22	899.79
4	असम	26	2679.13	2613.80
5	बिहार	18	1322.03	987.51
6	छत्तीसगढ़	14	489.70	434.01
7	दिल्ली	5	968.51	948.60
8	गोवा	1	9.21	9.21
9	गुजरात	22	1816.31	1689.52
10	हरियाणा	17	1112.23	598.16
11	हिमाचल प्रदेश	24	1806.13	1306.53
12	जम्मू-कश्मीर	26	1568.62	1476.70
13	झारखंड	24	1281.94	947.88
14	कर्नाटक	25	1944.59	1672.89
15	केरल	8	545.53	367.28
16	मध्य प्रदेश	25	1814.38	912.52
17	महाराष्ट्र	26	1817.17	1573.59
18	मणिपुर	12	727.90	716.27
19	मेघालय	5	238.90	212.85
20	मिजोरम	8	454.71	414.89

21	नागालैंड	18	633.30	553.02
22	ओडिशा	13	300.81	297.56
23	पंजाब	21	1683.54	1557.00
24	राजस्थान	26	1302.01	823.69
25	सिक्किम	17	841.25	672.52
26	तमिलनाडु	20	800.59	706.72
27	तेलंगाना	24	1778.94	1451.90
28	त्रिपुरा	4	306.54	239.32
29	उत्तर प्रदेश	63	4322.92	3122.09
30	उत्तराखंड	35	4013.46	3280.18
31	पश्चिम बंगाल	28	2265.06	1838.35
	केंद्रीय स्तर	4	250.33	116.89
	कुल योग	**584**	**40677.19**	**32748.11**

*****